

## पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग

दिनांक 5 फरवरी, 2009

संख्या 12/17-2008-पुरा/404.—चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि पंजाब प्राचीन ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन नीचे दी गई अनुसूची के खाना 2 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों का संरक्षण अपेक्षित है; इसलिए अब पंजाब प्राचीन ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व विभाग की अधिसूचना संख्या 43/23/95-शि-III (6), दिनांक 6 मई, 1996 के अधिक्रमण में तथा दिनांक 30 मई, 2002 की सिविल रिट याचिका संख्या 11018/2001 में माननीय पंजाब तथा हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय की अनुपालना में, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 2 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित स्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 3 से 9 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके बाद सरकार, प्रस्ताव पर ऐसे आक्षेपों या सुझावों सहित, यदि कोई हों, जो आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा किसी व्यक्ति से प्रस्ताव के सम्बन्ध में इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाएं, विचार करेगी।

## अनुसूची

क्रम संख्या	प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का नाम	पुरातत्वीय स्थलों/ अवशेषों का नाम	गांव का नाम	तहसील/ जिला	राजस्व संरक्षित खसरा किये जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	दरगाह चार कुतुब	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा सं० 987-988	कनाल-मरला 4—03 23—13	शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	दरगाह चार कुतुब में शेख जमाली जमालुद्दीन हांसी (1187-1261ई०) जो सूफीवाद के चिरंजीव सम्प्रदाय का महत्वपूर्ण धार्मिक नेता था तथा उसके तीन उत्तराधिकारियों के साथ यहां दफनाया गया है। इन्हें सामूहिक रूप से चार कुतुब के नाम से जाना जाता है। इस स्मारक को ऐतिहासिक महत्व के कारण संरक्षण में लिया जा रहा है।
2.	मीर तिजारह का मकबरा	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा नं० 987-988		शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	यह कुतुब जमालुद्दीन हांसी के शिष्य सुल्तान हमीद के शिष्य सुल्तान हमीद उद्दीन के प्रबन्धक का सुन्दर मकबरा है।
3.	बाबा फरीद की मस्जिद	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा नं० 987-988		शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	एक अन्य सूफी सन्त बाबा फरीद इस मस्जिद में नमाज पढ़ते थे।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
4.	एक दिवान	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा नं० 987-988		शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	ये मकबरे के स्थानीय भाषा में छतरियों के नाम से जाने जाते हैं।
5.	चार दिवान	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा नं० 987-988		शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	मूलतः ये जमाल-उद्दीन के उत्तराधिकारियों के मकबरे हैं।
6.	जैम्स स्किनर की पत्नियों के मकबरे	दरगाह चार कुतुब काम्पलैक्स	पट्टी मालिकशाह	हांसी/ हिसार	खसरा नं० 987-988		शाह कुतुब आलमी शहजादा नसीन चार कुतुब हांसी	ये 19वीं शताब्दी ई० की मुस्लिम स्थापत्य कला के नमूने हैं। इनमें से एक मकबरे के ऊपर जैम्स स्किनर की पत्नी अनवर महल खातून की देहान्त की तिथि 1867 ई० इंकित है।
कुल क्षेत्र = 27 कनाल 16 मरले								

आर० पी० चन्द्र,  
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़।

#### ARCHAEOLOGICAL DEPARTMENT

The 5th February, 2009

**No. 12/17-2008-Pura/404.**—Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains specified in column 2 of the schedule given below requires protection under the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964) and in supersession of Haryana Government, Archaeological Department Notification No. 43/24/95-Edu.III(6), dated 6th May, 1996, and in compliance of the Judgment on Dated 30th May, 2002, passed by Hon'ble Punjab and Haryana High Court in Civil Writ Petition No. 11018/2001, the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in columns 2 of the Schedule given below protected monuments and the Archeological sites and remains specified in column 3 to 9 of said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal for the area to be protected will be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objection or suggestions if any, which may be received by the Commissioner and secretary to Government Haryana, Archaeology Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified.

## SCHEDULE

Sr. No.	Name of ancient or historical monuments	Name of archaeological sites/ remains	Name of Village	Tehsil/ District	Revenue Khasra No.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Dargah Char Qutub	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988	K. M. 04—03 23—13	Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub	In the Dargah Char Qutub Seikh Jamal-ud-Din Hansi (1187-1261 A.D.) who was an important spiritual leader of Chisti sect of Sufism and along with his three successors are entombed here. These are collectively known as Char Qutub. The monument is being protected for its historical significance.
2.	Tomb of Mir Tizarah	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988		Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub Hnsi	This is a beautiful Tomb of purveyor of Sultan Hamid-ud-Din, the disciple of Qutab Jamal-ud-Din Hansi
3.	Mosque of Baba Farid	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988		Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub Hnsi	Baba Farid, another Sufi saint used to pray in this mosque.
4.	Ek Diwan	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988		Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub Hnsi	These tombs are locally known as Chattries. Originally these are the graves of descendants of Jamal-ud-Din.
5.	Char Diwan	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988		Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub Hnsi	Originally these are the graves of descendant of Jamal-ud-Din.
6.	Tomb James Skinner's Wives	Dargah Char Qutub Complex	Patti Malik Shah	Hansi/ Hlsar	Khasra No. 987-988		Shah Qutub Almi Jamali Shahazada, Nasin Char Qutub Hnsi	These are the examples of Muslim architecture of 19th century. One tomb records the date of demise of Anwar Mehal Khatun, the wife of James Skinners in 1867 A.D.
Total area : 27 Kanals 16 Marlas								

R. P. CHANDER,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,  
Archaeology and Museums Department, Chandigarh.